

A decorative floral wreath with small flowers and leaves, partially visible on the left side of the page.

6

बातूनी

लिखिए

✓ 1. गद्यांश पढ़कर प्रश्नों के उत्तर लिखिए—

मैं जिसका गोद में खिलाया है।

- क. किसी का भी नाम लेने पर सज्जन उससे कौन-कौन से रिश्ते निकाल लेते थे? iv. चारों सही हैं ✓
 ख. संबंध निकालकर सज्जन क्या करते थे? iii. संबंधों के बारे में बताते थे ✓
 ग. कौन सज्जन के चाचा के दोस्त हैं? iii. भगवान ✓
 घ. लेखक के अनुसार सज्जन भगवान को कैसे जानते होंगे?
 उ. लेखक के अनुसार भगवान भी सज्जन के चाचा के बड़े अच्छे दोस्त होंगे। दोनों स्वर्ग में साथ काम करते होंगे। भगवान ने सज्जन को गोद में खिलाया होगा।
 ङ. भगवान से मिलने जाने के बहाने लेखक क्या करना चाहता था?
 उ. लेखक सज्जन को भाँपना चाहता था कि भगवान के साथ वे कैसे रिश्ता स्थापित करेंगे।

2. संक्षेप में उत्तर लिखिए—

- क. लेखक क्या कष्ट भुगत रहा था?
 उ. लेखक सज्जन से चिट्ठी डलवाने के बाद से उनके अनर्गल प्रलाप को सुनने का कष्ट भुगत रहा था।
 ख. लेखक को किसी से 'आप कहाँ जा रहे हैं' सवाल पूछना अटपटा क्यों लगता था?
 उ. यह सवाल अनावश्यक और किसी के जीवन में हस्तक्षेप करने जैसा था। इसलिए लेखक को अटपटा लगता था।
 ग. लेखक को देखकर बातूनी का चेहरा खिल उठता था पर लेखक काँप जाता था। क्यों?
 उ. बातूनी का चेहरा इसलिए खिल जाता था क्योंकि उन्हें लेखक के रूप में एक साथी मिल जाता था। मगर वे बिना संदर्भ की बातें अधिक करते थे इसलिए लेखक काँप जाता था।

3. विस्तार से उत्तर लिखिए—

- क. 'मेरा काम करके उन्होंने मेरे ऊपर हमेशा के लिए अधिकार जमा लिया था'— लेखक ने ऐसा क्यों कहा?
 उ. लेखक ने ऐसा इसलिए कहा क्योंकि अब जब भी लेखक कहीं के लिए निकलता और उन सज्जन को दिख जाता, तो सज्जन उसे देखकर बहुत प्रसन्न होकर और अधिकार से पूछते, कि वे कहाँ जा रहे हैं। लेखक को हर बार आते-जाते रास्ते में टोकते रहना पसंद नहीं था।





- ख. सिविल सर्जन और प्रोफेसर तिवारी से सज्जन किस तरह परिचित थे?
- उ. सज्जन के अनुसार डा. गुप्ता उनके चाचा के बड़े अच्छे दोस्त थे। नागपुर में पास-पास बँगला था। वे उन्हें गोद में खिलाते थे। प्रोफेसर तिवारी सज्जन के फ़ादर इन लॉ (ससुर) के वे बड़े पुराने दोस्त थे। दोनों साथ-साथ पढ़ते थे। अभी भी वे उनके प्रति प्रेमभाव रखते थे।
- ग. "अच्छा, तो फिर घर पर ही दर्शन करूँगा।" सज्जन का यह कथन सुनकर लेखक ने क्या सोचा?
- उ. लेखक ने सोचा कि अगर वे घर पर दर्शन करने आ पहुँचे, तो घंटों बैठेंगे। सोच-विचार के बाद यह तय किया कि वे फिर उनके घर के सामने से निकलना शुरू कर दें। वहीं दर्शन दें ताकि सज्जन घर पर दर्शन करने न आ पहुँचें।
- घ. 'बातूनी सज्जन' के चरित्र की विशेषताएँ लिखिए। आपकी दृष्टि में वे कैसे इनसान हैं?
- उ. 'बातूनी सज्जन' के चरित्र की विशेषताएँ निम्नलिखित हैं—
- बातूनी सज्जन बात में से बात निकालने में निपुण हैं।
 - बातूनी सज्जन सरल मन के व्यक्ति हैं।
 - बात-बात में संबंध बनाना उनके व्यवहार की कुशलता है।
- ऐसे व्यक्ति कभी भी अकेले नहीं होते हैं।
• वे मिलनसार हैं।
- बातूनी सज्जन भले ही बोलते अधिक हैं लेकिन मन के साफ़ हैं। ऐसे लोगों की हमारे उस समाज को बहुत आवश्यकता है जहाँ लोगों के जीवन में सूनापन छाया हुआ है।

आशय स्पष्ट कीजिए—

- ❖ बस, उनके 'सहर्ष' ने मेरा 'हर्ष' तभी से जो छीना है, वह तो आज तक वापस नहीं मिला।
- उ. अपना काम सज्जन से करवाकर लेखक कष्ट में पड़ गए हैं। लेखक जब भी बातूनी सज्जन से मिलते हैं तो वे अपनी बातों से उन्हें खिझा देते हैं। वे परेशान होकर उनसे पीछा छुड़ाना चाहते हैं। सज्जन सहर्ष अर्थात् प्रसन्नता से मिलते हैं परंतु लेखक की खुशी का हरण कर लेते हैं।

समझिए व्याकरण संबोध

1. समानार्थी शब्द लिखिए—

भाग्य	—	“किस्मत”	हर्ष	—	“प्रसन्नता”	बेवकूफ	—	“मूर्ख/नादान”
नर	—	“मानव”	किताब	—	“पुस्तक”	कष्ट	—	“पीड़ा”

2. अकर्मक-सकर्मक क्रिया रेखांकित कर कोष्ठक में 'अ' या 'स' लिखिए—

क. वह चिट्ठी डाल दी थी?	(स)	घ. वे बाज़ार में मिल गए।	(अ)
ख. आप कहाँ जा रहे हैं?	(अ)	ङ. वे पास आकर हाथ पकड़ लेंगे।	(स)
ग. मैं आपका लिफ़ाफ़ा जरूर डालूँगा।	(स)	च. मुझे घबराहट होने लगी।	(अ)

3. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए—

- क. यदि छुट्टी—छुट्टियाँ है तो हड्डी—“हड्डियाँ”, भट्टी—“भट्टियाँ”
- ख. आगत ध्वनि — लगे दो शब्द लिखिए—“कॉल”, “मॉल”
- ग. उचित स्थान पर नुकता लगाइए— कमज़ोर, फ़कीर, लिफ़ाफ़ा, ज़्यादा, ऑफ़िस
- घ. उचित स्थान पर चंद्रबिंदु लगाइए—महिलाएँ, खूँखार
- ङ. 'अ' उपसर्गयुक्त शब्द लिखिए— “अकाल”, “अटल”
- च. 'ता' प्रत्यययुक्त शब्द लिखिए— “मनुष्यता”, “सरलता”
- छ. विलोम लिखिए— सज्जन— “दुर्जन”, आरंभ—“अंत”



7

राजा

लिखिए ✓

1. गद्यांश पढ़कर प्रश्नों के उत्तर लिखिए—

मैंने कहा भारी हो रहे थे।

क. बच्चा क्या माँग रहा था?

i. रोटी ✓

ख. अभी तक बच्चा क्या खा रहा था?

iii. पत्ते ✓

ग. बच्चा क्या सोचता था?

iii. अकाल गरीबों के यहाँ ही है ✓

घ. रोटी कौन, किससे और क्यों माँग रहा था?

उ. बच्चा, बाबा से रोटी माँग रहा था क्योंकि भूख अब सहन नहीं हो रही थी।

ङ. 'मन-मन भर भारी होना' का क्या अर्थ है?

उ. जीवन में हर तरह से निराशा भरी हुई थी। निराश मन से घर लौटने के लिए पैर उठ नहीं रहे थे।

2. संक्षेप में उत्तर लिखिए—

क. लेखक प्रेसवाले की कौन-सी बात सुनकर चौंका?

उ. लेखक प्रेसवाले की उम्र जानकर चौंक गया।

ख. सरकारी आदमी क्या मुनादी कर रहा था?

उ. सरकारी आदमी महाराजा रणजीत सिंह द्वारा गरीबों को अनाज देने की मुनादी कर रहा था।

ग. राजा की उदारता पर लोगों की क्या प्रतिक्रियाएँ थीं?

उ. लोगों की प्रतिक्रिया थी कि राजा आदमी नहीं, देवता हैं।

घ. बाबा को अनाज मुफ्त मिलने की बात पर विश्वास क्यों नहीं हुआ?

उ. बाबा निराश हो चुके थे इसलिए उन्हें अनाज मुफ्त मिलने की बात पर विश्वास नहीं हुआ।

ङ. सबको बीस-बीस सेर अनाज मिल रहा था पर बाबा को चालीस सेर मिला। क्यों?

उ. बाबा ने अपनी बेबसी, गरीबी और बुढ़ापे का हवाला देकर चालीस सेर अनाज प्राप्त किया।



3. विस्तार से उत्तर लिखिए—

- क. अकाल पड़ने पर क्या हुआ?
- उ. अकाल पड़ने पर चारों ओर हाहाकार मचा हुआ था। तालाब, नदी, नाले सूख गए थे। मुसलमान मसजिदों में नमाज पढ़ते, हिंदू मंदिरों में पूजा करते, सिक्ख गुरुद्वारों में ग्रंथ साहब का पाठ करते थे। बाजारों में रौनक न थी, दुकानों पर ग्राहक न थे, घरों में अनाज न था। लोग भूखों मर रहे थे।
- ख. सारे घर को रात में नींद क्यों नहीं आई?
- उ. यह जानकर कि घर तक गठरी पहुँचाने वाला कोई और नहीं था बल्कि स्वयं उनके महाराज थे, सारे घर को रात में नींद नहीं आई। सारा घर जागता था और सच्चे दिल से महाराज के लिए दुआ माँगता था।
- ग. सरदार साहब की विशेषताएँ लिखिए। उदाहरण भी दीजिए।
- उ. सरदार साहब की विशेषताएँ—
- सरदार साहब दयालु थे। जनता के दुख को अपना दुख समझते थे। अकाल के समय में उन्होंने बाजार से अनाज खरीदकर जनता में निशुल्क वितरित करवाया था।
 - उनमें अहंकार नाममात्र को भी नहीं था। जब बूढ़े बाबा से अनाज की गठरी नहीं उठी तो स्वयं ही गठरी उठाकर बूढ़े बाबा के घर तक ले गए थे।
 - सरदार साहब सच्चे कर्मयोगी थे। लोभ-लालच तो उन्हें छू भी नहीं गया था।

आशय स्पष्ट कीजिए—

- क. आजकल तो पचास साल से पहले ही तैयारी कर लेते हैं।
- उ. आजकल लोगों की जीवन शैली कुछ ऐसी हो गई है कि पचास की उम्र तक आते-आते अनेक असाध्य रोग घर का लेते हैं और व्यक्ति असमय ही मौत के मुँह में चला जाता है।
- ख. पानी सिवाय आँखों के कहीं नजर न आता था।
- उ. राज्य में पानी के सभी स्रोत नदी, तालाब, कुएँ सूख चुके थे। चारों ओर हाहाकार मचा हुआ था। पानी केवल लोगों की आँखों में आँसू के रूप में दिखाई देता था।

समझिए व्याकरण संबोध

1. इन शब्दों में उचित स्थान पर नुकता लगाकर लिखिए—

आवाज	—	“आवाज”	जमीन	—	“जमीन”	कागज	—	“कागज”
बरफ	—	“बरफ”	ज्यादा	—	“ज्यादा”	टेलीफोन	—	“टेलीफोन”
अंग्रेज	—	“अंग्रेज”	महफिल	—	“महफिल”	जमाना	—	“जमाना”

2. पर्यायवाची शब्द लिखिए—

नेत्र	—	“नयन”	“आँख”	नदी	—	“सरिता”	“तरंगिणी”
राजा	—	“नृप”	“महीप”	अमीर	—	“रईस”	“धनवान”
वर्षा	—	“बरखा”	“बारिश”	फूल	—	“पुष्प”	“सुमन”

3. विपरीतार्थक शब्द लिखिए—

सुखी	×	“दुखी”	विश्वास	×	“अविश्वास”	गरीब	×	“अमीर”
महँगा	×	“सस्ता”	संदेह	×	“निस्संदेह”	अनजान	×	“जानकार”